जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

जैव विविधता अधिनियम और प्रबंधन की दी गई जानकारी

- जिला परिषद के सभागार में गोपालगंज वन प्रमंडल द्वारा कार्यशाला का आयोजन
- कार्यशाला का उद्घाटन डीएम विवेक रंजन मैत्रेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया

सीवान, हिन्दुस्तान संवाददाता। जिला परिषद के सभागार में बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्यों के उन्मुखीकरण के लिए गोपालगंज वन प्रमंडल द्वारा कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को किया गया। कार्यशाला का उदघाटन डीएम विवेक रंजन मैत्रेय ने दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ जैव विविधता अधिनियम व प्रबंधन समिति के उत्तरदायित्व के बारे में विस्तृत विस्तृत रूप से चर्चा करते हुए जानकारी दी गई। डीएम ने बताया कि हमारे ग्रह की जैव विविधता एक अनमोल खजाना है, जो हमें जीवन के लिए आवश्यक संसाधन और सेवाएं प्रदान करती है। जैव विविधता न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने लोगों से जैव विविधता के संरक्षण में अपनी भूमिका निभाने की अपील की। कहा कि छोटे कदम भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं - जैसे, पौधारोपण, जल संरक्षण व प्लास्टिक का कम उपयोग। डीएम ने सभी को समृद्ध व संतुलित भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाने पर जोर दिया। डीएम ने जैव विविधता के संरक्षण के प्रयास को गंभीरता से करने की आवश्यकता जताई। कार्यशाला की अध्यक्षता बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद के सचिव हेमकांत राय व जैव विविधता पर्षद के उपनिदेशक मिहिर झा ने की। डीडीसी मुकेश कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी बालेन्दु नारायण पांडेय, जिला कृषि पदाधिकारी आलोक कुमार व वन प्रमंडल पदाधिकारी मेघा यादव आदि उपस्थित थे।

जैव विविधता पर्षद के सचिव हेमकांत राय, उपनिदेशक मिहिर झा, जिला पंचायत राज पदाधिकारी बालेन्दु नारायण पांडेय, जिला कृषि पदाधिकारी आलोक कुमार व अन्य।

जैव विविधता के महत्वः पारिस्थितिकी संतुलनः जैव विविधता पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखती है, जिससे वायु, जल और मृदा की गुणवत्ता में सुधार होता है।

जीविका और अर्थव्यवस्था: जैव विविधता हमें भोजन, दवाएं, ईंधन और अन्य संसाधन प्रदान करती है, जो हमारी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं।

- संस्कृति और सौंदर्यः जैव विविधता हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है और प्राकृतिक सौंदर्य का स्रोत है।

- जिला वन पदाधिकारी सिवान ने उक्त अवसर पर इस संबंध में बताया कि जैव विविधता के लिए निम्न खतरे उत्पन्न हो गए हैं।

जैव विविधता के लिए खतरे: वनों की कटाईः वनों की कटाई और भूमि उपयोग में परिवर्तन जैव विविधता के लिए प्रमुख खतरे हैं। प्रदूषणः जल, वायु और मृदा प्रदूषण जैव विविधता को नुकसान पहुंचाता है। जलवायु परिवर्तनः जलवायु परिवर्तन प्रजातियों के आवासों को प्रभावित कर रहा है, जिससे उनके अस्तित्व पर खतरा है।